

बेस्टसेलर 'मैं मन हूँ' और 'मैं कृष्ण हूँ' के लेखक
दीप त्रिवेदी द्वारा लिखित

व्यंग अपने चरम पर!

मुझे सहिष्णुता मत सिखाओ

-भारत



दीप त्रिवेदी

बेस्टसेलर 'मैं मन हूँ' और 'मैं कृष्ण हूँ' के लेखक
दीप त्रिवेदी द्वारा लिखित

व्यंग अपने चरम पर!

मुझे सहिष्णुता मत सिखाओ

-भारत



दीप त्रिवेदी

मुझे सहिष्णुता मत सिखाओ - भारत

अनुक्रमणिका

- | नं. | प्रस्तावना |
|-----|-----------------------------------|
| 1. | लेखक का परिचय |
| 2. | मशहूर वक्ता |
| 3. | लेखक की कलम से... |
| 4. | कॉपीराइट पेज |

मुझे सहिष्णुता मत सिखाओ - भारत

लेखक का परिचय

दीप त्रिवेदी



दीप त्रिवेदी एक प्रसिद्ध लेखक, वक्ता और स्पीरिच्युअल सायको-डाइनेमिक्स के पायनियर हैं जो कि एक व्यापक दृष्टिकोण से ना सिर्फ लिखते हैं, बल्कि विभिन्न विषयों पर लेक्चर्स भी कंडक्ट करते हैं. इनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें पढ़ने व सुनने-मात्र से मनुष्य में आमूल सकारात्मक परिवर्तन आ जाता है. वे अपने कार्यों द्वारा आजतक हजारों लोगों को सुख और सफलता के मार्ग पर लगा चुके हैं.

दीप त्रिवेदी ने अपने इन कार्यों द्वारा प्रकृति, उसके नियम, उसका आचरण, उसकी सायकोलोजी और उसके मनुष्यजीवन पर पढ़नेवाले प्रभाव को बड़ी ही गहराई से समझाया है. जीवन का ऐसा कोई पहलू नहीं है जिसे उन्होंने न छूआ हो. वे कहते हैं कि सायकोलोजी के बाबत कम ज्ञान और कम समझ होना ही मनुष्य-जीवन के तमाम दुःखों और असफलताओं का मूल कारण है.

बेस्टसेलर 'मैं मन हूँ' और कई अन्य किताबों के लेखक, दीप त्रिवेदी की खास बात यह है कि वे जीवन के गहरे-से-गहरे पहलुओं को छूते हैं और उन्हें सरलतम भाषा में लोगों के सामने प्रस्तुत करते हैं जिससे कन्प्यूजन की कहीं कोई गुंजाइश ही नहीं बचती है.

मनुष्यजीवन की गहरे-से-गहरी सायकोलोजी पर उनकी पकड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मनुष्य के जीवन पर सर्वाधिक 12038 कोटेशन लिखने का रेकार्ड उनके नाम पर दर्ज है. साथ ही मनुष्यजीवन पर सर्वाधिक लेक्चर्स देने का रेकार्ड भी उन्हीं के नाम पर है और यह दोनों रेकार्ड एशिया बुक ऑफ रेकार्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रेकार्ड्स में दर्ज हैं. इसके अलावा, 'भगवद्गीता' पर सर्वाधिक लेक्चर्स देने का रेकार्ड भी उन्हीं के नाम पर है और यह भी एशिया बुक ऑफ रेकार्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रेकार्ड्स में दर्ज है, जिसमें उन्होंने 58 दिनों में गीता पर 168 घंटे, 28 मिनट और 50 सेकंड तक एक लंबी चर्चा करी है. साथ ही अष्टावक्र गीता और ताओ-ते-चिंग पर भी सर्वाधिक लेक्चर्स देने का रेकार्ड उन्हीं के नाम पर एशिया बुक ऑफ रेकार्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रेकार्ड्स में दर्ज है. ये सारे लेक्चर्स भारत में लाइव ऑडियन्स के सामने दिये गए थे. इसके अलावा भगवद्गीता और ताओ-ते-चिंग के सायकोलोजिकल पहलुओं पर उनके योगदान के लिए यूके की वर्ल्ड रेकार्ड्स यूनिवर्सिटी ने दीप त्रिवेदी को ऑनरेरी डॉक्टरेट की उपाधि भी प्रदान की है.

वे अपने लेख और लेक्चर्स में जिस अनोखी स्पीरिच्युअल-सायकोलोजिकल भाषा और एक्सप्रेसन का इस्तेमाल करते हैं उससे उन्हें पढ़ने तथा सुनने वालों में उसका तात्कालिक प्रभाव भी होने लगता है और यही बात उन्हें इस क्षेत्र का पायनियर बनाती है.

इनके बारे में और अधिक जानने के लिए विजिट करें : www.deeprivedi.com

दीप त्रिवेदी - मशहूर वक्ता

दीप त्रिवेदी सायको-स्पीरिच्युअल कॉन्टेंट, आवाज, भाषा और एक्सप्रेसन का ऐसा मिश्रण प्रस्तुत करते हैं जिससे उन्हें देखने और सुनने वालों में तत्काल परिवर्तन आता है. सैकड़ों लोग सिर्फ उन्हें सुनने-मात्र से परिवर्तित हो चुके हैं. इसी वजह से उन्हें स्पीरिच्युअल सायको-डाइनेमिक्स का पायनियर भी कहा जाता है.

दीप त्रिवेदी जीवन से जुड़े हर विषय पर प्रकाश डालते हैं. जीवन का ऐसा कोई पहलू नहीं है जिसे उन्होंने न छूआ हो. वे विभिन्न विषयों पर बोल चुके हैं जैसे भगवद्गीता, ताओ-ते-चिंग, अष्टावक्र गीता और:

प्रकृति के नियम

टाइम एण्ड स्पेस

धर्म

डीएनए-जीन्स

जीवन की राह

डे-स्लीप

मन और बुद्धि

व्यक्तित्व

हीनता

डर

गिल्ट

इन्वोल्वमेंट

पक्षपात

अपेक्षा

स्वीकार्यशक्ति

नेचरल इंटेलिजेंस

ट्रान्स्फॉर्मेशन

विवाह

स्वतंत्रता

भविष्य

हिपोक्रेसी